वीयू–राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस पर कृषक संगोष्ठीः 50 किसानों को मिला उन्नत प्रशिक्षण और मछली बीज

जबलपुर, 10 जुलाई 2025रू नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में आज राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस के अवसर पर एक भव्य कृषक संगोष्ठी, जागरूकता कार्यक्रम और बीज वितरण का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर मनदीप शर्मा जी रहे, विशिष्ट अतिथि के रूप में कुल सचिव डॉ. एस.एस. तोमर, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. जीपी लखानी तथा संचालक विस्तार शिक्षा सेवाएं डॉ. सुनील नायक रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता डॉ. एस.के. महाजन द्वारा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से किया गया तत्पश्चात मंचासीन अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) एवं राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (NFDB) द्वारा वित्त पोषित किया गया। इस अवसर पर जबलपुर और आसपास के क्षेत्रों से आए लगभग 50 मत्स्य कृषकों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसका मुख्य उद्देश्य मत्स्य पालकों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ना, उनमें वैज्ञानिक जागरूकता बढ़ाना और उन्हें गुणवत्तापूर्ण मछली के बीज उपलब्ध कराकर उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना था का सम्मान किया गया।

अपने सारगर्भित उद्बोधन में कुलपति डॉ. मनदीप शर्मा सभी किसान भाइयों को कृषक दिवस की बधाई दी तथा मत्स्य पालन को भारतीय कृषि का एक महत्वपूर्ण और लाभकारी आयाम बताते हुए कहा कि यह किसानों के लिए एक सशक्त वैकल्पिक आय का स्रोत बनकर उभरा है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। उन्होंने किसानों को पारंपरिक तरीकों से हटकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने और नवीनतम तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया, जिससे कम संसाधनों में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। डॉ. शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय मत्स्य किसानों को हर संभव सहायता, तकनीकी मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

इसके बाद, निदेशक विस्तार सेवाएँ डॉ. सुनील नायक ने मत्स्य पालन क्षेत्र में नवाचार और सतत विकास के महत्व पर प्रकाश डाला और किसानों को विश्वविद्यालय की विस्तार सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. शशिकांत महाजन ने अपने विस्तृत संबोधन में कार्यक्रम के उद्देश्यों, मत्स्य पालन की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को मत्स्य महाविद्यालय द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी।

इस अवसर पर मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. शशिकांत महाजन, समन्वयक डॉ. सोना दुबे (प्रक्षेत्र प्रभारी) और सह–समन्वयक श्री शिवमोहन सिंह (प्रक्षेत्र प्रबंधक) ने भी मत्स्य पालन से जुड़े विभिन्न विषयों पर किसानों को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने उन्नत मछली प्रजातियों, वैज्ञानिक चारा प्रबंधन, रोग नियंत्रण और आधुनिक पालन विधियों जैसे बायोफ्लॉक, आरएएस और केज कल्चर पर प्रकाश डाला। समन्वित कृषि और मत्स्य पालन से संबंधित महत्वपूर्ण प्रशिक्षण पैम्फलेट का विमोचन भी मंच पर उपस्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर, उपस्थित लगभग 25 किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले मछली के बीज वितरित किए गए, जिससे उन्हें अपने मत्स्य उत्पादन को बढ़ाने में सीधा सहयोग मिलेगा। साथ ही, प्रशिक्षण में भाग लेने वाले किसानों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित आदित्य कुमार, मंडला जिले के सफल मत्स्य उद्यमी है उन्होंने किसान भाइयों को अपने स्टार्टअप की जानकारी देते हुए उन्हें भी मत्स्य प्रसंस्करण, पालन आदि के नए आयाम शुरू करने हेतु प्रेरित किया।

राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (NFDB) में पंजीकरण संबंधी सहायता प्रदान करने के लिए सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) जिला प्रबंधक श्री राम मनोहर बैस के साथ–साथ सीएससी वीएलई (ग्राम स्तरीय उद्यमी) शुभम गुर्जी, गौतम अग्रवाल और विकास सराठे भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. प्रीति मिश्रा, प्रतीक कुमार तिवारी, प्रियंका गौतम, सत्येन्द्र कटारा, अनिल केवट, मनोज अहिरवार, सुजीत राय, सांभावी सेवड़े, इमरान खान और बीरबल कुलस्ते, रामकलेश यादव, शैलेन्द्र दाहिया सहित कई अन्य सदस्यगण तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएँ भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की रूपरेखा व सफल मंच संचालन डॉ. सोना दुबे, समन्वयक और प्रतीक कुमार तिवारी ने किया।

यह कार्यक्रम मत्स्य किसानों को सशक्त बनाने, मत्स्य पालन क्षेत्र में वैज्ञानिक नवाचार को बढ़ावा देने और अंततः देश की खाद्य सुरक्षा एवं ग्रामीण समृद्धि में योगदान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरगामी कदम साबित हुआ। विश्वविद्यालय भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन कर मत्स्य पालकों को निरंतर सहयोग प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर